Volume: 4 Issue: 8 Pages: 52-54

माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की जल प्रबन्धन के प्रति जागरुकता का अध्ययन

[*1] डॉ. छगन लाल कुमावत एंव [2]लोकेश कुमार बड़गूजर

[*1] निर्देशक, सहायक प्रोफेसर, श्री अग्रसेन स्नातकोत्तर शिक्षा महाविद्यालय, केशव विद्यापीठ, जामडोली, जयपुर, राजस्थान, भारत।

[2] शोधार्थी, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान, भारत।

Article Info.
E-ISSN: 2583-6528
Impact Factor (SJIF): 6.876
Peer Reviewed Journal
Available online:
www.alladvancejournal.com

Received: 18/July/2025
Accepted: 19/Aug/2025

***Corresponding Author**
डॉ. छगन लाल कुमावत
सहायक प्रोफेसर, श्री अग्रसेन स्नातकोत्तर शिक्षा महाविद्यालय, केशव विद्यापीठ, जामडोली, जयपुर, राजस्थान, भारत।

सारांशः

विद्यालयों में स्वच्छ पानी और स्वच्छता सुविधाएं प्रदान करना अत्यंत आवश्यक है। विद्यालय शिक्षा की एकीकृत योजना, समग्र शिक्षा सरकारी स्कूलों में स्वच्छता और पेयजल सुविधाओं सहित प्रभावी और पर्याप्त बुनियादी ढांचे के लिए प्रावधान करती है, ताकि पूर्व-प्राथमिक से लेकर उच्च माध्यमिक स्तर तक सभी स्तरों पर सभी विद्यार्थियों को गुणात्मक शिक्षा के साथ-साथ स्वच्छ पेयजल, स्वच्छता और स्वास्थ्य-स्वच्छता तक पहुँच हो। प्रस्तुत शोध कार्य का उद्देश्य माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक स्तर के सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों की जल प्रबन्धन के प्रति जागरुकता का अध्ययन करना। माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक स्तर के गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों की जल प्रबन्धन के प्रति जागरुकता का अध्ययन करना। प्रस्तुत शोध कार्य में माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक स्तर के 640 विद्यार्थियों को यादृच्छिक विधि से चयन किया गया। दत्तों के विश्लेषण हेतु शून्य परिकल्पनाओं का निर्माण कर टी-परीक्षण सांख्यिकी का प्रयोग किया गया है। शोध के निष्कर्ष में पाया कि माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक स्तर के सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों की जल प्रबन्धन के प्रति जागरुकता का अध्ययन करना। माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक स्तर के गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों की जल प्रबन्धन के प्रति जागरुकता का अध्ययन करना। अध्ययन के निष्कर्ष से पता चला है कि माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक स्तर के सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की जल प्रबन्ध के प्रति जागरुकता में कोई अन्तर नहीं पाया गया। अतः विद्यार्थियों को जल प्रबन्धन के प्रति जागरुकता पैदा करने हेतु विद्यालय एवं शिक्षकों को प्रयास किया जाना चाहिए।

मुख्य शब्दः माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालय, विद्यार्थी, जल प्रबन्धन, जागरुकता।

प्रस्तावनाः

विद्यालयों में स्वच्छ पानी और स्वच्छता सुविधाएं प्रदान करना अत्यंत आवश्यक है। विद्यालय शिक्षा की एकीकृत योजना, समग्र शिक्षा सरकारी स्कूलों में स्वच्छता और पेयजल सुविधाओं सहित प्रभावी और पर्याप्त बुनियादी ढांचे के लिए प्रावधान करती है, ताकि पूर्व-प्राथमिक से लेकर उच्च माध्यमिक स्तर तक सभी स्तरों पर सभी विद्यार्थियों को गुणात्मक शिक्षा के साथ-साथ स्वच्छ पेयजल, स्वच्छता और स्वास्थ्य-स्वच्छता तक पहुँच हो।

अनेक स्थानों पर भू-जल अत्यधिक घुलनशील लवणों तथा क्लोराइड, फ्लोराइड एवं नाइट्रेट युक्त होने के कारण पीने योग्य नहीं है। समस्या के निदान हेतु चरणबद्ध रूप से योजनाएँ राज्य सरकार द्वारा स्वीकृत की जा रही है। परन्तु ये योजनाएँ पीने योग्य पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने में ना काफी सावित हो रही हैं। अतः हमें जल प्रबन्धन के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक करना होगा तभी हम इस समस्या को दूर करने में सहायक होंगे। अतः शोधार्थी ने "माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की जल प्रबन्धन के प्रति जागरुकता का अध्ययन" विषय को अपने शोध का विषय चुना है।

समस्या का औचित्य

राजस्थान का अधिकांश भाग मरुस्थलीय है जहाँ जल कम है और गर्मी अधिक लेकिन राज्य के लोगों ने इन्दिरा गाँधी नहर जैसे प्रयासों से प्रकृति की गणित को उलट दिया है। फलतः अब इस क्षेत्र में शुष्कता का स्थान सरसता ले रही है। राजस्थान की जल-सम्पदा को राजस्थान की अर्थव्यवस्था रूपी शरीर में बहने वाला रक्त कहा जा सकता है। राज्य में जल के बिना विकास की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। अतः हमें जल की महत्ता को समझना होगा तथा प्रारम्भिक स्तर से ही हमारी युवा पीढ़ी को जल प्रबन्धन के प्रति जागरूक करना

होगा। जल प्रबन्धन के प्रति जागरुकता लाने में हमारे विद्यालय एवं शिक्षक श्रेष्ठ माध्यम हो सकते हैं। प्रस्तुत शोध अध्ययन "माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की जल प्रबन्धन के प्रति जागरुकता का अध्ययन" पर किया गया है। इसके माध्यम से माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों की जल प्रबन्धन के प्रति जागरुकता का पता लग सकेगा। अतः प्रस्तुत अध्ययन शिक्षा विभाग, विद्यालय, अध्यापक तथा विद्यार्थियों के लिए उपयोगी होगा।

समस्या कथन

"माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की जल प्रबन्धन के प्रति जागरुकता का अध्ययन"

शोध के उद्देश्य-

1. माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक स्तर के सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों की जल प्रबन्धन के प्रति जागरुकता का अध्ययन करना।
2. माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक स्तर के गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों की जल प्रबन्धन के प्रति जागरुकता का अध्ययन करना।

शोध की परिकल्पनाएँ-

1. माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक स्तर के सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों की जल प्रबन्धन के प्रति जागरुकता में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।
2. माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक स्तर के गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों की जल प्रबन्धन के प्रति जागरुकता में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

शोध विधि-

प्रस्तुत शोध के लिए सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

जनसंख्या एवं न्यादर्श-

प्रस्तुत शोध में न्यादर्श के रूप में 640 विद्यार्थियों का चयन किया गया है। जिसमें माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक स्तर के सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों को लिया गया है। जिसका विवरण निम्न प्रकार है-

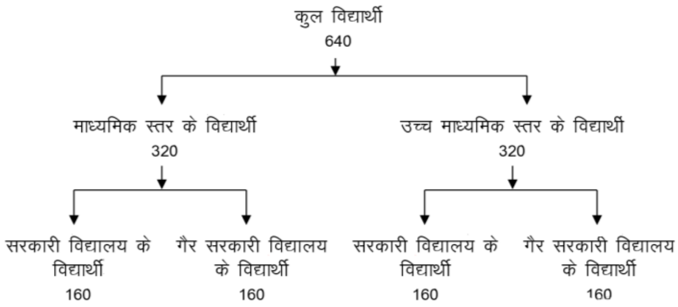

शोध के उपकरण-

प्रस्तुत शोध में जल प्रबन्धन के प्रति जागरुकता का मापन करने हेतु स्वनिर्मित "जल प्रबन्धन जागरुकता मापनी" का प्रयोग किया गया है।

सांख्यिकी-

प्रस्तुत शोध में मध्यमान, मानक विचलन एवं टी-परीक्षण सांख्यिकी विधि का प्रयोग किया गया है।

आँकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या-

परिकल्पना संख्या 1- माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक स्तर के सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों की जल प्रबन्धन के प्रति जागरुकता में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

तालिका संख्या-1

समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	टी-परीक्षण	स्वीकृत/अस्वीकृत
माध्यमिक स्तर के सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थी	160	176.89	18.61	2.26	0.01 स्तर पर स्वीकृत
उच्च माध्यमिक स्तर के सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थी	160	181.47	17.62		

0.05 स्तर पर टी-मान = 1.97
स्वतंत्रता के अंश = 318
0.01 स्तर पर टी-मान = 2.59

तालिका संख्या-1 में स्वतंत्रता के अंश 318 पर टी का मान 2.26 प्राप्त हुआ। जो 0.05 स्तर पर सार्थक टी-मान 1.97 से अधिक एवं 0.01 स्तर पर सार्थक टी-मान 2.59 से कम है। अतः परिकल्पना "माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक स्तर के सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों की जल प्रबन्धन के प्रति जागरुकता में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है" 0.01 स्तर पर स्वीकृत की जाती है।

परिकल्पना संख्या 2- माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक स्तर के गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों की जल प्रबन्धन के प्रति जागरुकता में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

तालिका संख्या-2

समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	टी-परीक्षण	स्वीकृत/अस्वीकृत
माध्यमिक स्तर के गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थी	160	183.33	12.97	1.48	दोनों स्तर पर स्वीकृत
उच्च माध्यमिक स्तर के गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थी	160	185.71	15.68		

0.05 स्तर पर टी-मान = 1.97
स्वतंत्रता के अंश = 318
0.01 स्तर पर टी-मान = 2.59

तालिका संख्या-2 में स्वतंत्रता के अंश 318 पर टी का मान 1.48 प्राप्त हुआ। जो 0.05 एवं 0.01 स्तर पर सार्थक टी-मान 1.97 एवं 2.59 से कम है। अतः परिकल्पना "माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक स्तर के गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों की जल प्रबन्धन के प्रति जागरुकता में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है" दोनों स्तर पर स्वीकृत की जाती है।

निष्कर्ष:

1. माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक स्तर के सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों की जल प्रबन्धन के प्रति जागरुकता में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।
2. माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक स्तर के गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों की जल प्रबन्धन के प्रति जागरुकता में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।

अध्ययन के निष्कर्ष से पता चला है कि माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक स्तर के सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की जल प्रबन्ध के प्रति जागरुकता में कोई अन्तर नहीं पाया गया। अतः विद्यार्थियों को जल प्रबन्धन के प्रति जागरुकता पैदा करने हेतु विद्यालय एवं शिक्षकों को प्रयास किया जाना चाहिए।

सन्दर्भ सूची:

1. देवासी, ओम प्रकाश: जल संकट: भोगवादी संस्कृति की देन, शैक्षिक मंथन, सरदार पटेल मार्ग, जयपुर, अंक-11, जून, 2021
2. गुर्जर, आर. के. (2001): "जल प्रबन्धन विज्ञान", जयपुर, पॉइन्टर पब्लिकेशन।
3. जाट, बी.सी. (2000): "जल ग्रहण प्रबन्धन", जयपुर, पॉइन्टर पब्लिकेशन।
4. मील, सुनीत (2019): "जल संसाधन का प्रबन्धन एवं कृषि विकास", आविष्कारक प्रकाशक वितरक।
5. पाण्डेय, जयप्रकाश: स्वच्छ जल और स्वच्छता का लक्ष्य, कुरूक्षेत्र, सूचना एवं प्रकाशन मंत्रालय, नई दिल्ली, जून 2023
6. राय, पारसनाथ (1997): ''अनुसंधान परिचय'', आगरा, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल।